बजरंग दल द्वारा दी गई कार्यकर्त्ताओं को त्रिशूल दिक्षा

बजरंग दल जम्मू–कश्मीर की महानगर इकाई द्वारा 2 मई को ''त्रिशूल दिक्षा'' के कार्यक्रम का आयोजन बाबा पैलेस शक्ति नगर में किया जिसमें कईं कार्यकर्त्ताओं को त्रिशूल दिक्षा दी गई। त्रिशूल दिक्षा लेने वाले बजरंगियों ने देश, समाज व संस्कृति की रक्षा हेतु तत्पर रहने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर बजरंग दल के प्रांत संयोजक श्री नंद किशोर मिश्रा ने कार्यकर्त्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि बजरंग दल का जन्म ही देश समाज एवं हिन्दू संस्कृति को बचाने के लिए हुआ है। देश में बड़ रही घुसपैठ, गौहत्या, धर्मांतरण एवं देश को तोडने की जेहादी मानसिकता को नष्ट करके देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने का बजरंग दल का संकल्प है।

उन्होंने आगे कहा कि सन् 1984 में श्रीरामजन्म भूमि आंदोलन के दौरान श्री राम जानकी रथ यात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से नकार देने पर देश के संतों, महंतों एवं विद्वानों के आह्वान पर बजरंग दल का उदय हुआ था। आज सम्पूर्ण भारत में बजरंग दल की हजारों समितियां खण्ड स्तर से लेकर प्रांत स्तर तक बनी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि ''त्रिशूल दिक्षा'' लेने वाली युवा पीढ़ी देश व समाज की सेवा एवं सुरक्षा हेतु अपने अराध्य भगवान श्री हनुमान जी की भांति ही हर समय तत्पर रहती है। इस अवसर पर महानगर इकाई के संयोजक राकेश शर्मा एवं अन्य बजरंग दल के कार्यकर्त्ता भी उपस्थित थे। त्रिशूल दिक्षा लेने वालों में कर्ण शर्मा, विक्रम सिंह, अमन सिंह मन्हास सहित 50 युवा बजरंगी शामिल थे।